Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding guidelines to issue SC certificates to all the sub-castes of Machhua community in Uttar Pradesh.

श्री प्रवीन कुमार निषाद (गोरखपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद।

मैं शून्यकाल में अति लोक महत्व का विषय उठाना चाहता हूँ। मैं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर संसदीय क्षेत्र से उप-चुनाव जीतकर आया हूँ। मैं अपने मछुआ समुदाय की 578 उप-जातियों के बारे में यहाँ सवाल पूछना चाहता हूँ। सेंसस ऑफ इंडिया, 1961, अपेंडिक्स टू सेंसस मैन्युअल पार्ट फर्स्ट फॉर उत्तर प्रदेश के अपेंडिक्स-एफ के तहत क्रमांक-11 पर बाल्मिकी को अनुसूचित जाति का सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। क्रमांक-24 पर चमार के नाम से उप-जातियों को सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। क्रमांक के 51 नंबर पर हम मजवार के नाम से अंकित हैं, जिनकी उप-जातियां हैं – मांझी, मुझाविर, राजगोड़, मल्लाह, केवट, कश्यप, धीवर, आदि।

इस विषय पर वर्ष 1949-50 में अनन्तसयनम आयंगर कमेटी बनी। मैडम, इसकी भी सिफारिशें अभी तक लागू नहीं हुई हैं। सन् 1956 में काका कालेलकर की रिपोर्ट भी आई। सन् 1976 में इसमें संशोधन हुआ, जिससे हम लोग 51 नंबर पर पहुंचे, लेकिन आज तक जितनी भी ये उप-जातियां हैं जैसे केवट, मल्लाह, बिंद, सुरइया, कुलवट, चाई आदि इन 578 उप-जातियों में हम लोग पूरे देश में बंटे हुए हैं। आज के दिन हम अनुसूचित जातियों के लिए सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में 21 दिसंबर, 2016 को … *सरकार, समाजवादी पार्टी की सरकार के द्वारा शासनादेश जारी हो चुका है।

माननीय अध्यक्ष : किसी का नाम नहीं बोलते हैं। ... * का नाम नहीं जाएगा।

श्री प्रवीन कुमार निषाद: मैडम, वर्तमान सरकार में हमें यह सुविधा नहीं मिल रही है। जिस प्रकार पूरे देश में वस्तुओं पर जी.एस.टी. लागू है, उसी प्रकार हमें भी अनुसूचित जाति मझुआर के लिए जो सुविधाएं हैं, वे मिलनी चाहिए। इस देश में हमारा भी एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

माननीय अध्यक्ष : आपका समय पूरा हो गया है। इतना लंबा नहीं बोलना है।

…(व्यवधान)

श्री प्रवीन कुमार निषाद: मैडम, मैं पहली बार जीतकर आया हूँ। मुझे बोलने का मौका दिया जाए। बाकी लोग तो बोलते रहते हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इतना लंबा भाषण नहीं देते हैं।

…(व्यवधान)

श्री प्रवीन कुमार निषाद : मैडम, यह भाषण नहीं है। हम अपने अधिकारों की बात कर रहे हैं। …(व्यवधान) एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. की आवाज को हमेशा दबाया जाता है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप ऐसा मत बोलिए। आप अपनी बात बोलिए। जीरो आवर में इतना ही बोलना है।

…(व्यवधान)

श्री प्रवीन कुमार निषाद : मैडम, हमारा एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

माननीय अध्यक्ष : आपने जो मछुआ जाति की बात की, वह ठीक है।

…(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ) : अध्यक्षा जी, मेरी भी स्पीच है।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र।

अभी स्पीच नहीं देनी है। यह ज़ीरो आवर है।

…(व्यवधान)